# बवासिर

## बवासिर के मायने

बवासिर याने गुदाशय के बाहरी आवरण की रक्तनलिका पे सुजन हो जाती है ।कभी कभी यह बवासिर गुदद्वार से बढता है।

## कारण-

- कब्जी
- उपर ही उपर अनेक अंतराल से गुदाशय के हालचाल पर तनाव होता है।
- पेट का दबाव बढना।
- गुदाशय एवं गुदद्वार की त्वचा का सिकुडना

## लक्षण-

- गुदाशय मे खुजलाहट होना
- गुदाशय एवं गुदद्वार के इर्द गिर्द वेदना होना
- गुदद्वार के पेशियों मे कडक शौच का निकलना
- मल-मूत्र विसर्जन पर नियंत्रण न रहना
- गुदद्वार पर घाव होना

## निदान-

- बवासिर का निदान करने के लिए संपूर्ण बडी आंत की जाँच करानेवाली डिजिटल रेक्टल एक्झाम की जाँच की जाती है।
- गुदद्वार के माध्यम से एक नली डालकर (Endoscopy) बवासिर की संपुर्ण जाँच की जा सकती है।
- बडी आंत की संपूर्ण जाँच

## उपचार-

- दवाओं के कारण दर्द एवं सूजन कम होती है ।एवं गुदाशय का कार्य व्यवस्थित रुप से जारी रहता है। दवाऐं , गोलियाँ पॅड क्रिम्स अथवा मलम के स्वरुप मे रहती है ।
- सामान्य जीवनशैली मे परिवर्तन आवश्यक है।
- कार्टीको स्टेरॉइड मलम
- वेदनादायी बवासिर मे एक ईलाज के रुप मे सुन्न करनेवाली दवाऐं दी जाती है।
- बवासिर कम करने के लिए अथवा निकाल देने के लिए शस्त्र क्रिया की जाती है।

## रुग्ण समुपदेशन-

- गुदाशय के कार्य पर तनाव ना आने दे तथापि मलविसर्जन हेतू अधिक समय ना लगाए।
- कब्जी को टालें तथापि गुदाशय के कार्य मे सहजता हो इसकी ओर ध्यान देना चाहिए।
- पैदल चलने जैसे व्यायाम से गुदाशय के कार्य सुलभ होते है।
- भरपूर पानी तथा अन्य द्रव्यपदार्थ पिए।
- दर्द होने पर बर्फ से सेकना चाहिए।
- गुदद्वार के परिसर मे स्वच्छता रखें।

Reference: Micromedex's Care Notes System Online 2.0